सपनों की कंदीलें

चंदा आर्य

सपनों की कंदीलें

Publishing-in-support-of,

FSP Media Publications

RZ 94, Sector - 6, Dwarka, New Delhi - 110075
Shubham Vihar, Mangla, Bilaspur, Chhattisgarh - 495001

Website: *www.fspmedia.in*

© Copyright, Author

All rights reserved. No part of this book may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form by any means, electronic, mechanical, magnetic, optical, chemical, manual, photocopying, recording or otherwise, without the prior written consent of its writer.

ISBN:978-93-6026-145-0

Price: ₹ 223.00

The opinions/ contents of the book is political satire and individual opinions/ thoughts of the author and do not represent the opinions/ standings/ thoughts of Publisher.

Printed in India

सपनों की कंदीलें

चंदा आर्य

कविता - सूची

क्र.	कविता	पृष्ठ क्र.
1.	सब तू है	3
2.	बारिश की धुन	5
3.	बिल्ली मौसी	7
4.	चंदा मामा	9
5.	श्रद्धा गीत भारतवीरों के लिए	11
6.	स्वयं के लिए	13
7.	अनन्त राहें	15
8.	सपनों की कंदीलें	17
9.	आज भी बिटिया	19
10.	एक फूल तन्हा सा	21
11.	नारी जीवन	23
12.	ज़िन्दगी खूबसूरत है	25
13.	झूठा अहंकार	26
14.	मैं, ज़िंदगी हूँ	27
15.	ज़िन्दगी का बचपन	29
16.	हाँ .....साँस चल रही है अभी	31
17.	अजन्मी कहानी	33
18.	अनदेखे अहसास	34
19.	बेस्ट फ्रेंड	37
20.	एक जुदा सा ख्याल	39
21.	मन का प्रकाश	41
22.	एक और दुनिया	42
23.	एक ही अरमान	43
24.	ये ज़िन्दगी	44
25.	नव वर्ष	47
26.	जिन्दगी.....माने ??	48
27.	इक रूह की शिकायत	49
28.	कुहासा	51
29.	मातृभाषा	53

प्राक्कथन

प्रस्तुत कवितायेँ जीवन के विभिन्न पहलुओं को उजागर करती, मानव मन के भिन्न-भिन्न अहसासों की अभिव्यक्ति हैं। जीवन के पथ पर आगे बढ़ते हुए, अनुभवों को आत्मसात करते हुए एक नारी के मन में जो भी कहा - अनकहा , उमड़ - घुमड़ कर आता है, उसी कहे - अनकहे को शब्दों में बांधने का प्रयास किया गया है। मन के उद्गारों की कोई सीमा नहीं होती। हज़ारों कवितायेँ भी कम पड़ेंगी, उन्हें अभिव्यक्त करने के लिए , किन्तु कुछ पाठकों के मन को ये अवश्य छू पाएंगी, इसी आशा के साथ कविताओं का संकलन प्रस्तुत कर रही हूँ।

चंदा आर्य
I/43A-46, लाल बाग़
गो. ब. पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
पंतनगर - 263145

सब तू है

इस पृथ्वी, आकाश में तू है,
प्रकृति की सुरम्य छटाओं में तू है,
हर पत्ते, हर फूल में है तेरा ही स्पंदन,
हर मानव के ह्रदय में हैं तेरा ही वंदन,
मैं नहीं हूँ कुछ, मेरा नहीं है कुछ,
हे ईश्वर! सब तू है, सब तू है।

बारिश की धुन

उमड़ -घुमड़ कर आए बादल,
झम -झम लगा बरसने मेघ,
पत्ते भीगे , पंछी भीगे,
देखो लगे भीगने पेड़।

ताल तलैया भर -भर लाये,
लगता है सब जल ले लाये,
बच्चों की तो मौज आ गयी,
छपक -छपक करते हैं देख।

बिल्ली मौसी

गेहूं के दाने बिखरा के ,
अम्मा बोली आजा रे ,
चिड़िया बोली मैं न आऊं , बिल्ली कहती तुझको खाऊँ।
बिल्ली बोली म्याऊं - म्याऊं,
आज नहीं मैं तुझको खाऊँ,
अम्मा की गुड़िया है नटखट,
पीछे दौडे ठुमक -ठुमक।

तू तो उसकी प्यारी है,
वो मार मुझे भगाएगी ,
शामत मेरी आ जाएगी,
सोचूँ आज उपवास ही कर लूं,
इसी बहाने पुण्य कमा लूँ

चंदा मामा

चंदा मामा जल्दी आ,
दूध भरा कटोरा ला,
थोडा उसमें बूरा डाल और
थोड़ी सी मिश्री डाल ।
जी भर के मेवा मिला दे,
चांदनी जैसी खीर बना दे।

मेरी गुड़िया रूठी है,
ठुनक-ठुनक के कहती है,
अम्मा तुम तो रोज़ बनाती, पर
खीर मुझे जो खानी है,
चंदा मामा को ही बनानी है।

मामा की चांदनी उजियारी, तो
खीर भी होगी उतनी न्यारी
सपना उसका सच हो जाय,
मेरी रूठी गुड़िया मन जाय।

सपनों की
कंदीलें

मन में भाव आते हैं जाते हैं.....
कुछ हवा में बह जाते हैं..... कुछ अक्षरों में ढल जाते हैं .....
अक्षरों में ढल कर पन्नों पर उतर जाते हैं .....
या पुर्वाइयों के साथ बह कर अपनों के दिल में उतर जाते हैं.....

चंदा आर्य

लेखक से संपर्क हेतु :
carya07@gmail.com

FSP
FSP MEDIA PUBLICATIONS

BOOK AVAILABLE
Flipkart
GET IT ON Google Play
amazon
amazonkindle

EBOOK AVAILABLE
ISBN 978-93-6026-145-0
9 789360 261450